वन विज्ञान केंद्र, जबलपुर के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

(दि. 18 सितम्बर, 2014)

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान द्वारा मध्य क्षेत्र हेतु उपयुक्त कृषि वानिकी पद्धतियाँ एवं उनका प्रबंधन, विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दि. 18 सितम्बर, 2014 को मुख्य वन संरक्षक अनुसंधान एवं विस्तार के सहयोग से वन विज्ञान केंद्र. म.प्र.जबलपुर में आयोजित किया गया । इसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के कृषक, गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि, स्वःसहायता समूह के सदस्य, वन विभाग के कर्मचारी तथा मध्य प्रदेश राज्य वन विभाग द्वारा चयनित वन दूतों सहित 91 प्रशिक्षाणार्थी उपस्थित रहे ।

उदघाटन कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरा अनुसार द्वीप प्रज्वलित कर किया गया । श्री शंखवार, ने सभी प्रशिक्षाणार्थियों व विषय विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से वन दूतों तथा अन्य उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से आहवान किया कि वे इस कार्यक्रम में प्राप्त जानकारी को मैदान में साकार करने में अपना योगदान दे । डॉ. नितिन कुलकर्णी, वैज्ञानिक – जी तथा प्रभागाध्यक्ष, वन विस्तार प्रभाग, उ.व.अ.सं., नें वानिकी तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों से सभी उपस्थित प्रशिक्षणार्थीयों को परिचित कराया ।

उपरोक्त प्रतिवेदन की सामग्री संस्थान के वन विस्तार प्रभाग द्वारा प्रदाय की गई है ।

विषय विशेषज्ञ डॉ. ननिता बेरी, वैज्ञानिक – डी, ने मध्य क्षेत्र हेतु उ.व.अ.सं., द्वारा विकसित विभिन्न कृषि वानिकी तकनिकों से अवगत कराया । प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रमुख विषय जैसे कृषि वानिकी, मध्य प्रदेश राज्य हेतु उपयोगी कृषि वानिकी के माडल, लाख की खेती द्वारा आय में वृद्धि के व्याखयान दिये गये। विषय विशेषज्ञ डॉ. ननिता बेरी ने कृषि वानिकी के लाभ तथा उसके आर्थिक तथा पर्यावरणीय लाभ से उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया तथा विभिन्न कृषि वानिकी तकनिकों को अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने बढ़-चढ़ कर चर्चा में भाग लिया ।

उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक संयुक्त रुप से श्री हरिओम शंखवार, नोडल अधिकारी, वन विज्ञान केन्द्र म.प्र., मु.व.स., अनु. एवं विस्तार वृत्त, जबलपुर तथा डॉ. नितिन कुलकर्णी, वैज्ञानिक – जी तथा प्रभागाध्यक्ष, वन विस्तार प्रभाग, उ.व.अ.सं., थे । इस कार्यक्रम में डॉ. एस.एन. मिश्रा, अनुसंधान अधिकारी, वन विस्तार प्रभाग, उ.व.अ.सं., जबलपुर नें सह-समन्वयक के रुप में अपना योगदान दिया । कार्यक्रम का समापन प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अपने विचार प्रस्तुत करनें तथा लिखित रुप से फीड़-बैक (Feed back) प्रस्तुत करने से हुआ । कार्यक्रम के अंत में श्री हरीश सोनी, सहायक वन संरक्षक, अनु. एवं विस्तार वृत्त द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया ।

उपरोक्त प्रतिवेदन की सामग्री संस्थान के वन विस्तार प्रभाग द्वारा प्रदाय की गई है ।